नव भारत टाइम्स (Nav Bharat Times)

दिनाँक (Dated): 13.11.2024 | पृष्ठ सं० (Page No) 18 11 | क्रम सं०(Serial No.) 09

CISF में पहली महिला बटैलियन

बटैलियन में होंगी 1025 महिलाएं।

विस, नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने 1,000 से अधिक कर्मियों वाली पहली महिला सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्यॉरिटी फोर्स (CISF) रिजर्व बटैलियन को मंजूरी दी है। 12 बटैलियन वाली CISF में मौजूदा समय में एक भी महिला बटैलियन नहीं है। गृह मंत्रालय ने एक सीनियर कमांडेंट रैंक के अधिकारी की अगुआई में 1,025 कर्मियों वाली एक विशेष महिला रिजर्व यूनिट को मंजूरी दी। उसमें अधिकतर महिलाओं को कमांडो ट्रेनिंग से ट्रेंड किया जाएगा।

CISF के लिए पहली महिला रिज़र्व बटैलियन को मंजूरी

Battalion

विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने हवाई अड्डों और दूसरे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर बढ़ती ड्यूटी को ध्यान में रखते हुए 1,000 से अधिक कर्मियों वाली पहली महिला केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) रिजर्व बटैलियन को मंजूरी दी है। CISF में अभी 1.90 लाख से ज्यादा जवान हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस सप्ताह एक मंजूरी आदेश जारी किया, जिसमें एक वरिष्ठ कमांडेंट रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में 1,025 कर्मियों की कुल शक्ति के साथ बल में एक विशेष महिला रिजर्व इकाई को मंजूरी दी गई। इसमें अधिकतर महिलाओं को कमांडो ट्रेनिंग से ट्रेंड किया जाएगा। CISF के पास वर्तमान में 12 रिजर्व बटैलियन हैं।

यह बटैलियन देश की संसद को सुरक्षा प्रदान करने वाली CISF को मिली जिम्मेदारी को देखते हुए भी बेहद खास होगी। CISF के डीआईजी दीपक वर्मा ने बताया कि गृह मंत्रालय की मंजूरी के साथ ही इस पर काम करना शुरू कर दिया गया है। इसके लिए भर्ती प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई थी। फिलहाल CISF में करीब एक लाख 90 हजार जवान हैं। इनमें तकरीबन सात फीसदी महिलाएं हैं। 12 बटैलियन वाली CISF में मौजूदा समय में एक भी बटैलियन महिला बटैलियन नहीं है। यह पहली बटैलियन होगी, जिसमें केवल महिलाएं होंगी। बल में महिला बटैलियन बनाने का प्रस्ताव 53वें सीआईएसएफ दिवस के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के अनुरूप शुरू किया गया था, जिसे अब मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है।

इमरजेंसी में मोर्चा संभालेंगी महिला कमांडो: CISF अधिकारियों ने बताया कि ऑल वूमेन बटैलियन में 1025 महिलाएं होंगी। इनमें अधिकतर को कमांडो ट्रेनिंग से ट्रेंड किया जाएगा, ताकि किसी भी तरह की इमरजेंसी के वक्त महिला बटैलियन की यह कमांडो मोर्चा संभाल सकें।